Railway Over-Bridge In Moga City (Punjab)

2387. SHRI GURCHARAN SINGH : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the fact that the Railway line passes through the heart of the Moga City (Punjab) and there is no Railway Bridge due to which great Inconvenience is caused to the people in general and the traffic is jammed for hours together; and

(b) if so, whether Government propose to construct a bridge there ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NANDA) : (a) It is a fact that there is no road over/under bridge at Moga, but there are two level crossings. The road traffic at one of these level crossings is quite heavy, but every effort is made to minimise the detention to road-traffic by closing the gates across the road only during passage of trains and shunting movements.

(b) There is no firm proposal so far from the local Municipality or State Government for construction of road over/under bridge in replacement of these level crossings. Under the rules, the Railways construct road over/under bridges in replacement of existing busy level crossings provided the scheme is sponsored by the State Government/Road authority together with undertaking to bear their share of cost. Broadly, under the rules in force, 50% of the cost of road over/under bridge for a 24 ft. wide road way and its approaches (excluding cost of land for approaches) is borne by the Railways and the balance 50% as well as the cost of acquisition of any land required for approaches is borne by the road authority. Only when a firm proposal is received from the State Government/Road authority, the Railway can take further action in the matter.

रुमानिया के सहयोग से भरतपुर में नील के कारखाने की स्थापना

2388. **श्री बृजराज सिंह** : क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार भरतपुर (राजस्थान) में रुमानिया के सहयोग से एक नील का कारखाना स्थापित करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है;

(ख) क्या इस कारखाने में इस वर्ष के अंत तक उत्पादन आरम्भ हो जायेगा;

(ग) रुमानिया के साथ हुए करार की मुख्य शर्तें क्या हैं; और

(घ) उक्त कारखाने के लिए किस व्यक्ति अथवा फर्म को लाइसेंस दिया गया है ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) से (घ). नील बनाने के लिए राजस्थान के भरतपुर जिले में एक कारखाना स्थापित करने के लिए मेसर्स कैंपबैल मिनरल्स कंपनी (प्रा०) लिमिटेड के रुमानिया की कंपनी मेसर्स इंडस्ट्रीयल एक्सपोर्ट बुखारिस्ट से तकनीकी सहयोग प्राप्त करने के सहयोग के प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया है, क्योंकि इसकी तकनीकी जानकारी देश में ही उपलब्ध है ।

फ्रांसीसी सहयोग से टोंक में चमड़ा कारखाने की स्थापना

2389. **श्री बृजराज सिंह** : क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार को टोंक (राजस्थान) में फ्रांसीसी सहयोग से चमड़ा कारखाना स्थापित करने की परियोजना रिपोर्ट प्राप्त हो गई है;

(ख) इस कारखाने पर कितनी पूंजी लगेगी और उसमें विदेशी मुद्रा कितनी होगी ;

(ग) कब तक कारखाना उत्पादन आरम्भ कर देगा; और

(घ) इसकी उत्पादन क्षमता कितनी होगी और क्या इसमें निर्मित माल का भी निर्यात किया जायेगा ?